CAREERINDIA

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J 0 9 1 1 8

PAPER - II
PRAKRIT

Time : 2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **100**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of hundred multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में सौ बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा।

www.careerindia.com

PRAKRIT
PAPER - II

Note : This paper contains **hundred (100)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

1. Prakrit is known as the language of this group :
(1) Dravidian (2) Old Indo-Aryan
(3) Middle Indo-Aryan (4) New Indo-Aryan

2. The development of the period of Prakrit is :
(1) 1500 BCE - 500 BCE (2) 600 BCE - 1000 CE
(3) 800 BCE - 600 BCE (4) 1200 CE - 1700 CE

3. Aṡokan Inscriptional Prakrit is known to be the Prakrit of this period :
(1) Second phase (2) First phase (3) Third phase (4) Modern phase

4. The language of a fisherman is prescribed in ancient dramas is :
(1) Māgadhī (2) Prācyā (3) Ṡaurasenī (4) Mahārāṣṭrī

5. The word 'arthapatiḥ' is changed into Māgadhī as :
(1) aṡtavadī (2) arthavadī (3) astavadī (4) aṣṭavadī

6. Intervocalic 'Ṣ' is changed into Māgadhī as :
(1) s (2) ṡ (3) ṣ (4) h

7. In Māgadhī conjunct 'ṣṭ' is changed into :
(1) ṣta (2) ṭṭa (3) ṭṭha (4) ṭha

8. The verbal form 'tiṣṭhati' is changed into Māgadhī as :
(1) tiṭṭhadi (2) tiṭṭadi (3) ciṭṭhai (4) ciṣṭhadi

9. The language of the ṡvetāmbara canonical texts is :
(1) Ṡaurasenī (2) Ardhamāgadhī (3) Māgadhī (4) Dākṣiṇātyā

10. Nominative singular of masculine 'a' base is changed into 'e' in this Prakrit :
(1) Ṡaurasenī (2) Āvantī (3) Ardhamāgadhī (4) Mahārāṣṭrī

www.careerindia.com

प्राकृत

प्रश्नपत्र - II

नोट : इस प्रश्न-पत्र में सौ **(100)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. प्राकृत को इस भाषा समूह के अन्तर्गत जाना जाता है :
   (1) द्रविड़ भाषा (2) प्राचीन भारतीय आर्य भाषा
   (3) मध्यभारतीय आर्य भाषा (4) आधुनिक भारतीय आर्य भाषा

2. प्राकृत के विकास का युग यह है :
   (1) 1500 ई.पू. - 500 ई.पू. (2) 600 ई.पू. - 1000 ईस्वी
   (3) 800 ई.पू. - 600 ई.पू. (4) 1200 ईस्वी - 1700 ईस्वी

3. अशोक के अभिलेखों की प्राकृत को इस युग की प्राकृत के रूप में जाना जाता है :
   (1) द्वितीय युगीन (2) प्रथम युगीन (3) तृतीय युगीन (4) आधुनिक युगीन

4. प्राचीन नाटकों में धीवर की भाषा यह निर्धारित है :
   (1) मागधी (2) प्राच्या (3) शौरसेनी (4) महाराष्ट्री

5. 'अर्थपतिः' शब्द का मागधी में इस प्रकार परिवर्तन होता है :
   (1) अश्तवदी (2) अर्थवदी (3) अस्तवदी (4) अष्टवदी

6. स्वर-मध्यवर्ती 'ष' का मागधी में इस रूप से परिवर्तन होता है :
   (1) स (2) श (3) ष (4) ह

7. मागधी में संयुक्त 'ष्ट' का परिवर्तन यह होता है :
   (1) स्ट (2) ट्ट (3) ट्ठ (4) ठ

8. 'तिष्ठति' क्रियारूप का मागधी में यह परिवर्तन होता है :
   (1) तिट्ठदि (2) तिट्टदि (3) चिट्ठइ (4) चिष्ठदि

9. श्वेताम्बर आगम ग्रंथों की भाषा है :
   (1) शौरसेनी (2) अर्धमागधी (3) मागधी (4) दाक्षिणात्या

10. 'अ' कारान्त पुल्लिंग शब्द प्रथमा एकवचन में इस प्राकृत में 'ए' कारान्त होता है :
    (1) शौरसेनी (2) आवन्ती (3) अर्धमागधी (4) महाराष्ट्री

www.careerindia.com

11. The hero of the Prakrit 'Dvāśrayakāvya' is :
(1) Sātavāhana (2) Kumārapāla (3) Yaśovarmā (4) Samarāditya

12. 'Rāvaṇavaho' is the other name of this text :
(1) Kaṁsavaho (2) Setubandha (3) Gauḍavaho (4) Davvasaṅgaho

13. The kuvalayamālākahā belongs to this type of narrative form :
(1) Saṅkīrṇakathā (2) Khanḍakathā
(3) Parihāsakathā (4) Divya-Mānuṣikathā

14. Mainly this 'Rasa' is found in the Mṛacchakatikam :
(1) Śānta Rasa (2) Vīra Rasa (3) Śraṅgāra Rasa (4) Karuṇa Rasa

15. Number of chapters (Adhikāras) of the Ākhyānamaṇikośa is :
(1) Thirty nine (2) Forty one (3) Fifty three (4) Forty eight

16. Kavi Dhaneśvarasūri has composed the text :
(1) Paumacariyaṁ (2) Manoramākahā
(3) Surasundrīcariyaṁ (4) Supāsanāhacariyaṁ

17. The setubandha was composed by :
(1) Vimalasūri (2) Kavi Hall (3) Pravarsena (4) Kalidas

18. The Gauḍavaho was composed by :
(1) Rājaśekhara (2) Vākpatirāja (3) Pravarasena (4) Bhojarāja

19. Identify the Prakrit Khanda Kavya text from the following :
(1) Līlāvaī (2) Usāṇiruddha (3) Vajjālagga (4) Candalehā

20. The Dhūrtākhyāna text is a :
(1) Satiric Prakrit work (2) Romantic story
(3) Dramatic work (4) Poetics work

21. Veerasenācārya is the author of :
(1) Parikarma Tīkā (2) Ṣatkhaṇḍāgama (3) Mahābandha (4) Dhavalā Tīkā

www.careerindia.com

11. प्राकृत ग्रन्थ 'द्वाश्रयकाव्य' का नायक है :
(1) सातवाहन (2) कुमारपाल (3) यशोवर्मा (4) समरादित्य

12. 'रावणवहो' इस ग्रन्थ का अपर नाम है :
(1) कंसवहो (2) सेतुबन्ध (3) गउडवहो (4) दव्वसंगहो

13. 'कुवलयमालाकहा' इस प्रकार की कथा है :
(1) संकीर्णकथा (2) खण्डकथा
(3) परिहासकथा (4) दिव्य-मानुषी कथा

14. मृच्छकटिकम् ग्रन्थ का प्रधान रस है :
(1) शान्त रस (2) वीर रस (3) शृंगार रस (4) करुण रस

15. 'आख्यानमणिकोश' ग्रन्थ में इतने अध्याय (अधिकार) हैं :
(1) उन्तालिस (2) इकतालिस (3) तिरेपन (4) अड़तालीस

16. कवि धनेश्वरसूरि ने यह ग्रन्थ लिखा है :
(1) पउमचरियं (2) मनोरमाकहा
(3) सुरसुन्दरीचरियं (4) सुपासनाहचरियं

17. सेतुबन्ध के लेखक हैं :
(1) विमलसूरि (2) कवि हाल (3) प्रवरसेन (4) कालिदास

18. 'गउडवहो' इनके द्वारा रचित है :
(1) राजशेखर (2) वाक्पतिराज (3) प्रवरसेन (4) भोजराज

19. अधोलिखित में से प्राकृत खण्डकाव्य ग्रन्थ को पहचानें :
(1) लीलावई (2) उसाणिरुद्ध (3) वज्जालग्ग (4) चन्दलेहा

20. 'धूर्ताख्यान' इस प्रकार का ग्रन्थ है :
(1) व्यंगात्मक प्राकृत ग्रन्थ (2) प्रणयकथा
(3) नाटकीय ग्रन्थ (4) काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ

21. वीरसेनाचार्य इसके लेखक हैं :
(1) परिकर्म टीका (2) षट्खण्डागम (3) महाबन्ध (4) धवला टीका

www.careerindia.com

22. The Gommatasāra of Ācārya Nemichandra was composed at :
(1) Manyakheta (2) Shravanabelagola
(3) Amaravati (4) Girnar

23. The Tiloyapaṇṇatti composed by :
(1) Guṇadhara (2) Śivārya (3) Vaṭṭakera (4) Yativraṣabha

24. The 'Praśnavyākaraṇa' āgama deals mainly with :
(1) Jīva - Ajīva (2) Bandha-Mokṣa (3) Puṇya-Pāpa (4) Āsrava-Saṁvara

25. Out of the following four texts, the Śaurasenī Āgamas are **correctly** shown in which code ?
(a) Samayasāra (b) Kasāyapāhuda (c) Āyaro (d) Mūlācāra
Code :
(1) (b) + (c) + (a) (2) (a) + (c) + (b) (3) (a) + (b) + (d) (4) (d) + (c) + (a)

26. The 'Paṇṇavaṇā' text is included in this group of texts :
(1) Paiṇṇāiṃ (2) Upāṅga (3) Aṅga (4) Mūlasūtra

27. Ārya Skandil was a leader of the Āgamavācanā (conference) held at :
(1) Kāsī (2) Mathurā (3) Vallabhī (4) Udaigiri

28. The **correct** answer of this query *Aṅgāṇaṁ kiṁ sāro* ? is this text :
(1) Ācārāṅga (2) Vipākasūtra (3) Uvāsagadasāo (4) Sūyagaḍo

29. The Mahābandha (Mahadhavala) Āgama was published before 1960 A.D. from :
(1) Nagpur (2) Kashi (3) Ahmedabad (4) Vaishali

30. This pair of texts of Śaurasenī Agama literature is **correct** :
(1) Uttarādhyayanasūtra, Aṣṭapāhuda (2) Vipākasūtra, Rayanasāra
(3) Ṇiyamsāra, Paṅcāstikāya (4) Pravacanasāra, Ācārāṅgasūtra

31. The 'Dhavalā Tīkā' is a commentary of this text :
(1) Mahābandha (2) Kasāyapāhuḍa (3) Mūlārādhanā (4) Chakkhaṅḍāgama

32. The title of the first chapter of the Uttarā-dhayanasūtra is :
(1) Cittasambhūtīya (2) Kesīgotamīya (3) Viṇayasuyaṃ (4) Namipavvajjā

www.careerindia.com

22. आचार्य नेमिचन्द्र द्वारा गोम्मटसार ग्रन्थ यहाँ पर लिखा गया था :
(1) मान्यखेट (2) श्रवणबेलगोला
(3) अमरावती (4) गिरनार

23. 'तिलोयपण्णत्ति' के रचनाकार हैं :
(1) गुणधर (2) शिवार्य (3) वट्टकेर (4) यतिवृषभ

24. 'प्रश्नव्याकरण' आगम प्रमुख रूप से इस विषय की व्याख्या करना है :
(1) जीव-अजीव (2) बन्ध-मोक्ष (3) पुण्य-पाप (4) आस्रव-संवर

25. निम्नलिखित चार ग्रन्थों में से शौरसेनी आगम ग्रन्थ किस कूट में **सही** हैं?
(a) समयसार (b) कसायपाहुड (c) आयारो (d) मूलाचार
कूट :
(1) (b) + (c) + (a) (2) (a) + (c) + (b) (3) (a) + (b) + (d) (4) (d) + (c) + (a)

26. 'पण्णवणा' ग्रन्थ आगमों के इस समूह में सम्मिलित है :
(1) पइण्णाइं (2) उपांग (3) अंग (4) मूलसूत्र

27. आर्य स्कन्दिल इस आगम वाचना के प्रमुख थे :
(1) कासी (2) मथुरा (3) वल्लभी (4) उदयगिरि

28. '*अंगाणं किं सारो?*' इस जिज्ञासा का **सही** उत्तर यह ग्रन्थ है :
(1) आचारांग (2) विपाकसूत्र (3) उवासगदसाओ (4) सूयगडो

29. महाबन्ध (महाधवल) आगम ग्रन्थ 1960 ई. के पूर्व यहाँ से प्रकाशित हुआ था :
(1) नागपुर (2) काशी (3) अहमदाबाद (4) वैशाली

30. शौरसेनी आगम साहित्य का यह ग्रन्थ युग्म **सही** है :
(1) उत्तराध्ययनसूत्र, अष्टपाहुड (2) विपाकसूत्र, रयणसार
(3) णियमसार, पंचास्तिकाय (4) प्रवचनसार, आचारांगसूत्र

31. 'धवला टीका' इस ग्रन्थ की टीका है :
(1) महाबन्ध (2) कसायपाहुड (3) मूलाराधना (4) छक्खण्डागम

32. उत्तराध्ययनसूत्र के प्रथम अध्ययन का नाम है :
(1) चित्तसम्भूतीय (2) केसीगोतमीय (3) विणयसुयं (4) नमिपव्वज्जा

www.careerindia.com

33. Acharya Bhūtabali is a writer of :
(1) Mūlācāra (2) Bhāvapāhuḍa (3) Pañcāstikāya (4) Mahābandha

34. The name of the dynasty of emperor Aśoka is :
(1) Nanda dynasty (2) Maurya dynasty (3) Kaniṣka dynasty (4) Gupta dynasty

35. The meaning of the word 'pāsaṃḍa' used in the Girnar Version of Aśokan Inscription is :
(1) Hypocrisy (2) Showy (3) Unnatural (4) Sect

36. The line on 'bamhaṇa-samaṇānaṃ sādhu dānaṃ' used in the Girnar Version is found in the :
(1) Ninth (2) Twelfth (3) Seventh (4) Second

37. The line 'dhammacaraṇe pi na bhavati asīlasa' is inscribed in this inscription of Aśoka :
(1) Seventh (2) Third (3) Fifth (4) Fourth

38. In this inscription of Aśoka teaching of service to parents has been mentioned :
(1) Fourth (2) Twelfth (3) Third (4) Fifth

39. In this inscription of Aśoka the appointment of women Presidents and women ministers has been mentioned :
(1) Thirteenth (2) Twelfth (3) Ninth (4) Seventh

40. The period of emperor Kharvela is :
(1) Fifth century BCE (2) Second century CE
(3) First century CE (4) Second century BCE

41. The word 'Bharadhavasa' is mentioned in this line of Hāthīgumphā inscription :
(1) Twelfth (2) Tenth (3) Eighth (4) Ninth

42. Conducting an assembly of the sages in Kumārī hill has been mentioned by Emperor Khāravela in this line of the Inscription :
(1) Second (2) Fifth (3) Fourteenth (4) Twelfth

43. On which line of the Hāthīgumphā inscription the childhood - plays have been mentioned :
(1) Fourth (2) Twelfth (3) Second (4) Fifth

www.careerindia.com

33. आचार्य भूतबलि इस ग्रन्थ के लेखक हैं :
(1) मूलाचार (2) भावपाहुड (3) पंचास्तिकाय (4) महाबंध

34. सम्राट अशोक के वंश का नाम है :
(1) नन्दवंश (2) मौर्यवंश (3) कनिष्कवंश (4) गुप्तवंश

35. सम्राट अशोक के गिरनार-शिलालेख में उपलब्ध ''पासंड'' शब्द का अर्थ है :
(1) पाखण्ड (2) दिखावटी (3) अप्राकृतिक (4) सम्प्रदाय

36. 'बम्हणसमणानं साधु दानं' पद का प्रयोग गिरनार के इस शिलालेख में उपलब्ध है :
(1) नौवाँ (2) बारहवाँ (3) सातवाँ (4) द्वितीय

37. 'धम्मचरणे पि न भवति असीलस' पंक्ति अशोक के इस शिलालेख में उत्कीर्ण है :
(1) सप्तम (2) तृतीय (3) पंचम (4) चतुर्थ

38. अशोक के इस अभिलेख में माता-पिता की सेवा करने की शिक्षा दी गई है :
(1) चतुर्थ (2) द्वादश (3) तृतीय (4) पंचम

39. सम्राट अशोक के इस अभिलेख में स्त्री-अध्यक्ष एवं स्त्री महामात्य की नियुक्ति का उल्लेख है :
(1) तेरहवें (2) बारहवें (3) नौवें (4) सातवें

40. सम्राट खारवेल का समय यह है :
(1) पंचम सदी ई.पू. (2) द्वितीय सदी ई.
(3) प्रथम सदी ई. (4) द्वितीय सदी ई.पू.

41. हाथीगुम्फा-शिलालेख की इस पंक्ति में 'भरधवस' का उल्लेख मिलता है :
(1) बारहवीं (2) दशमी (3) आठवीं (4) नौवीं

42. सम्राट् खारवेल के कुमारी पर्वत पर साधुओं का सम्मेलन बुलाने का उल्लेख शिलालेख की इस पंक्ति में किया है :
(1) द्वितीय (2) पंचम (3) चतुर्दश (4) द्वादश

43. हाथीगुम्फा-अभिलेख में कुमारक्रीडा का वर्णन किस पंक्ति में उपलब्ध है?
(1) चतुर्थ (2) द्वादश (3) द्वितीय (4) पंचम

www.careerindia.com

44. This group belongs to Prakrit Saṭṭakas :

(1) Karpūramañjarī, Siṅgāramañjarī, Kavidarpaṇa

(2) Nāmamālā, Amarakoṣa, Ānandasundarī

(3) Mṛcchakaṭika, Karpūramañjarī, Kavidarpaṇa

(4) Ānandasundarī, Siṅgāramañjarī, Candalehā

45. Match each author from Part - I and his work from Part - II and identify the **correct** answer :

	Part - I		**Part - II**
(a)	Candalehā	(i)	Viśveśvara
(b)	Ānandasundarī	(ii)	Nayacandra
(c)	Siṅgāramañjarī	(iii)	Ghanaśyāma
(d)	Rambhāmañjarī	(iv)	Rudradāsa

Code :

(1) (a) + (iv)

(2) (b) + (i)

(3) (c) + (ii)

(4) (d) + (iii)

46. 'Valaā a sundara arā raaṇaṅkura Jalapaḍivaddhā' this line is quoted from this text.

(1) Karpūramañjarī (2) Avimāraka

(3) Abhijñānaśākuntalam (4) Mṛcchakaṭikam

47. The Karpūramañjarī is known as :

(1) Nāṭaka (2) Prakaraṇa (3) Prahasana (4) Saṭṭaka

48. In Mṛcchakaṭikam -

'Tado mae paḍhamaṁ saṁtappidavvaṁ. hañje, geṇha edaṁ raaṇāvaliṁ, this statement is given by :

(1) Radanikā (2) Basantasenā (3) Madanikā (4) Vidūṣaka

www.careerindia.com

44. यह समूह प्राकृत सट्टकों से सम्बन्धित है :

(1) कर्पूरमंजरी, सिंगारमंजरी, कविदर्पण

(2) नाममाला, अमरकोष, आनन्दसुन्दरी

(3) मृच्छकटिक, कर्पूरमंजरी, कविदर्पण

(4) आनन्दसुन्दरी, सिंगारमंजरी, चन्दलेहा

45. प्रथम भाग से प्रत्येक लेखक और द्वितीय भाग से उनकी रचनाओं का मिलान कीजिए और **सही** उत्तर पहचानिए :

भाग - I		**भाग - II**	
(a)	चन्दलेहा	(i)	विश्वेश्वर
(b)	आनन्दसुन्दरी	(ii)	नयचन्द्र
(c)	सिंगारमञ्जरी	(iii)	घनश्याम
(d)	रम्भामञ्जरी	(iv)	रुद्रदास

कूट :

(1) (a) + (iv)

(2) (b) + (i)

(3) (c) + (ii)

(4) (d) + (iii)

46. 'वलआ अ सुन्दर अरा रअणंकुरजालपडिवद्धा' यह पंक्ति इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) कर्पूरमञ्जरी (2) अविमारक

(3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4) मृच्छकटिकम्

47. कर्पूरमंजरी है :

(1) नाटक (2) प्रकरण (3) प्रहसन (4) सट्टक

48. मृच्छकटिकम् में -

'तदो मए पढमं संतप्पिदव्वं। हञ्जे, गेण्ह एदं रअणावलिं।' यह कथन इनके द्वारा कहा गया है :

(1) रदनिका (2) बसन्तसेना (3) मदनिका (4) विदूषक

www.careerindia.com

49. Read the units I and II for the **correct** match :

	I		II
(a)	Chandakoṡa	(i)	Virahāṅka
(b)	Gahālakkhaṇa	(ii)	Ratnaṡekhar sūri
(c)	Svayambhū Chanda	(iii)	Nanditāḍhya
(d)	Vṛttajātisamuccaya	(iv)	Svayambhū

Choose the **correct** answer :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

50. Ebba ṇedaṁ, turagassa sigghattaṇe kiṁ pucchīanti' this statement used by :
(1) Kuraṅgikā (2) Vaitālika (3) Vicakṣaṇā (4) Vidūṣaka

51. The Pāiyalacchīnāmamālā is composed by :
(1) Hemachandra (2) Dhanapāla (3) Jinaprabha (4) Viṡvanātha

52. In Mṛcchakaṭikaṁ -
'Ko taṁ guṇāravindaṁ sīlamiaṅkaṁ Jaṇo ṇa Jāṇāsi' this statement is given by :
(1) Basantasenā (2) Ṡakāra (3) Candanaka (4) Vīraka

53. Rayaṇāvalī is the text of this kind :
(1) Kavya (2) Drama (3) Koṡa (4) Chanda

54. Rayaṇāvalī is composed in this language :
(1) Pāli (2) Apabhraṁṡa (3) Sanskrit (4) Prakrit

55. This is **not** a correct pair :
(1) Jinabhadra - Rayaṇāvalī (2) Virahaṅka - Vṛttajātisamuccaya
(3) Dhanapāla - Pāiyalacchīnāmamālā (4) Ratnaṡekhar sūri - Chandakoṡa

56. 'Ohārio pavahaṇo Vaccai majjheṇa rāamaggassa' this line occurs in this work :
(1) Karpūramañjarī (2) Rambhāmañjarī (3) Mṛcchakaṭikam (4) Mudrārākṣasa

57. The Prakrit paiṅgalaṁ was composed in this century :
(1) 11^{th} CE (2) 13^{th} CE (3) 14^{th} CE (4) 12^{th} CE

www.careerindia.com

49. **सही** मिलान के लिए प्रथम और द्वितीय तालिकाओं को पढ़िए :

	I		II
(a)	छन्दकोश	(i)	विरहांक
(b)	गाहालक्खण	(ii)	रत्नशेखरसूरि
(c)	स्वयम्भू छन्द	(iii)	नन्दिताढ्य
(d)	वृत्तजातिसमुच्चय	(iv)	स्वयम्भू

सही उत्तर को चुनिए :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

50. 'एब्ब णेदं तुरगस्स सिग्घत्तणे किं पुच्छीअंति' यह कथन इनके द्वारा प्रयुक्त किया गया :
(1) कुरङ्गिका (2) वैतालिक (3) विचक्षणा (4) विदूषक

51. पाइयलच्छीनाममाला इनके द्वारा लिखी गयी है :
(1) हेमचन्द्र (2) धनपाल (3) जिनप्रभ (4) विश्वनाथ

52. मृच्छकटिकम् में –
'को तं गुणारविन्दं सीलमिअंकं जणो ण जाणासि' यह कथन इनके द्वारा कहा गया है :
(1) बसन्तसेना (2) शकार (3) चन्दनक (4) वीरक

53. रयणावली इस विधा की रचना है :
(1) काव्य (2) नाटक (3) कोश (4) छन्द

54. रयणावली इस भाषा में निबद्ध है :
(1) पालि (2) अपभ्रंश (3) संस्कृत (4) प्राकृत

55. यह युग्म सही **नहीं** है :
(1) जिनभद्र – रयणावली (2) विरहांक – वृत्तजातिसमुच्चय
(3) धनपाल – पाइयलच्छीनाममाला (4) रत्नशेखर सूरि – छन्दकोश

56. 'ओहारिओ पवहणो वच्चइ मज्झेण राअमग्गस्स' यह पंक्ति इस ग्रन्थ में उपलब्ध है :
(1) कर्पूरमञ्जरी (2) रम्भामञ्जरी (3) मृच्छकटिकम् (4) मुद्राराक्षस

57. प्राकृतपैंगलम् इस शताब्दी में लिखी गयी है :
(1) 11 वीं शती ई. (2) 13 वीं शती ई. (3) 14 वीं शती ई. (4) 12 वीं शती ई.

www.careerindia.com

58. The raḍḍa chanda of Apabhraṁśa is found, the text is :
(1) Alaṅkāra dappaṇa (2) Vṛttajātisamuccaya
(3) Kavidarpaṇa (4) Gāhālakkhaṇa

59. In Mṛcchakaṭikaṁ :
'Eśe mhi tulidatulide laṅkāṇa alīe gaaṇa gacchante', this statement used by :
(1) Bhikṣu (2) Vīraka (3) Vidūṣaka (4) Śakāra

60. The number of the Gāthās in Gahālakkhaṇa is :
(1) 82 (2) 72 (3) 90 (4) 92

61. The word 'Sarvajñaḥ' is changed into Mahārāṣṭrī as :
(1) Savvaṇṇo (2) Savvaṇṇū (3) Savaṇṇū (4) Savvajjū

62. In Mahārāṣṭrī the preceding vowel of the conjunct consonants becomes thus :
(1) short (2) long (3) prolated (4) elided

63. Root bhū is substituted in Mahārāṣṭri as :
(1) raho, rahuva, rahava (2) kho, khuva, khava
(3) ho, huva, hava (4) saho, sahuva, sahava

64. Changing of ṇ into n is found in this Prakrit :
(1) Śākārī (2) Ḍhakkī (3) Mahārāṣṭrī (4) Paiśācī

65. The word 'hṛdaya' is developed into Paiśācī as :
(1) hiyaya (2) hitapaka (3) hidao (4) hidayo

66. This is an Apabhraṃśa term of the word 'tṛṇa' optionally':
(1) tinā (2) tanā (3) tṛṇu (4) tāna

67. This is an example of quantitative change :
(1) śayyā > sejjā (2) puṣkara > pokkhara
(3) latā > layā (4) deva > deva

68. This is **not** an example of palatalization :
(1) Saccaṃ (2) kiccā (3) gajja (4) sakka

www.careerindia.com

58. अपभ्रंश का रड्डा छन्द जिसमें पाया जाता है, वह ग्रन्थ है :
(1) अलङ्कार दप्पण (2) वृत्तजातिसमुच्चय
(3) कविदर्पण (4) गाहालक्खण

59. मृच्छकटिकम् में –
'एशे म्हि तुलिदतुलिदे लङ्काण अलीए गअण गच्छन्ते' यह कथन इनके द्वारा कहा गया है :
(1) भिक्षु (2) वीरक (3) विदूषक (4) शकार

60. गाहालक्खण में गाथाओं की संख्या यह हैं :
(1) 82 (2) 72 (3) 90 (4) 92

61. 'सर्वज्ञः' शब्द का महाराष्ट्री प्राकृत में यह परिवर्तन होता है :
(1) सव्वण्णो (2) सव्वण्णू (3) सवण्णू (4) सव्वञ्जू

62. महाराष्ट्री में संयुक्त व्यंजन के पूर्व स्वर की स्थिति ऐसी होती है :
(1) ह्रस्व (2) दीर्घ (3) लुप्त (4) लोप

63. भू धातु को महाराष्ट्री में यह आदेश होता है :
(1) रहो, रहुव, रहव (2) खो, खुव, खव
(3) हो, हुव, हव (4) सहो, सहुव, सहव

64. 'ण' के स्थान पर 'न' में परिवर्तन होना इस प्राकृत में पाया जाता है :
(1) शाकारी (2) ढक्की (3) महाराष्ट्री (4) पैशाची

65. 'हृदय' शब्द का पैशाची में यह विकास हुआ है :
(1) हियय (2) हितपक (3) हिदओ (4) हिदयो

66. अपभ्रशं में 'तृण' शब्द का विकल्प से यह रूप है :
(1) तिना (2) तना (3) तृणु (4) तान

67. यह गुणात्मक परिवर्तन का उदाहरण है :
(1) शय्या > सेज्जा (2) पुष्कर > पोक्खर
(3) लता > लया (4) देव > देव

68. यह तालव्यीकरण का उदाहरण **नहीं** है :
(1) सच्चं (2) किच्चा (3) गज्ज (4) सक्क

www.careerindia.com

69. 'Sottio via suhovaviṭṭho ṇiddāadi duvārio' is found in this text :
(1) Karpūramañjarī (2) Mṛcchakaṭikaṁ (3) Mudrārākṣasa (4) Candalehā

70. The subject matter of Kavidarpaṇa is :
(1) Alaṁkāra (2) Koṡa (3) Kavya (4) Chanda

71. In Prakrit Sandhi does **not** occur in this case :
(1) a + ā (2) ā + u (3) i + a (4) a + i

72. This vowel does **not** occur in Prakrit :
(1) ī (2) au (3) e (4) o

73. In Prakrit Visarga after 'a' sound becomes :
(1) ā (2) i (3) o (4) ū

74. In Prakrit Genitive Plural of the word 'mālā' becomes :
(1) mālāsu (2) mālāe (3) māleṇa, māleṇaṃ (4) mālāṇa, mālāṇaṃ

75. The author of Kahārayaṇa Kosa is :
(1) Guṇacandra (2) Somaprabhasūri (3) Maheṡvarasūri (4) Jinaharṣagaṇi

76. This is the **correct** group of Aṅga-Āgamas :
(1) Āyāro, Sūyagaḍo, Pavayaṇasāro
(2) Uvāsagadasāo, Dasveāliyam, Uttarajjhayaṇāṇi
(3) Paṇhavāgaraṇāiṃ, Bhagavaī, Antagaḍadasāo
(4) Āyāro, Samavāyāṅga, Mūlācāra

77. Match the Unit - I and II for the **correct** answer :

Unit - I		**Unit - II**	
(a)	Bhagavaī - Suttaṃ	(i)	Cheda Sūtra
(b)	Jīvājīvābhigama	(ii)	Aṅga - Āgama
(c)	Vavahārasuttaṃ	(iii)	Mūlasūtra
(d)	Uttarajjhayaṇaṃ	(iv)	Upāṅga-Āgama

Choose the **correct** answer :
(1) (a) + (iv)
(2) (b) + (i)
(3) (c) + (ii)
(4) (d) + (iii)

www.careerindia.com

69. 'सोत्तिओ विअ सुहोवविट्ठो णिद्दाअदि दुवारिओ' यह इस ग्रन्थ में प्राप्त होता है :
(1) कर्पूरमञ्जरी (2) मृच्छकटिकम् (3) मुद्राराक्षस (4) चन्दलेहा

70. कविदर्पण की विषयवस्तु यह है :
(1) अलङ्कार (2) कोश (3) काव्य (4) छन्द

71. प्राकृत में इस में सन्धि **नहीं** होती :
(1) अ + आ (2) आ + उ (3) इ + अ (4) अ + इ

72. यह स्वर प्राकृत में **नहीं** है :
(1) ई (2) औ (3) ए (4) ओ

73. प्राकृत में 'अ' ध्वनि से परे स्थित विसर्ग का यह होता है :
(1) आ (2) इ (3) ओ (4) ऊ

74. प्राकृत में 'माला' शब्द के षष्ठी बहुवचन का यह रूप है :
(1) मालासु (2) मालाए (3) मालेण, मालेणं (4) मालाण, मालाणं

75. कहारयण कोस के रचनाकार हैं :
(1) गुणचन्द्र (2) सोमप्रभसूरि (3) महेश्वरसूरि (4) जिनहर्षगणि

76. अंग आगमों का यह **सही** समूह है :
(1) आयारो, सूयगडो, पवयणसारो
(2) उवासगदसाओं, दसवेआलियं, उत्तरज्झयणाणि
(3) पण्हवागरणाइं, भगवई, अंतगडदसाओ
(4) आयारो, समवायांग, मूलाचार

77. इकाई प्रथम एवं द्वितीय को **सही** उत्तर के लिए मिलान कीजिए :

इकाई - प्रथम		**इकाई - द्वितीय**
(a)	भगवई सुत्तं	(i) छेदसूत्र
(b)	जीवाजीवाभिगम	(ii) अंग-आगम
(c)	ववहारसुत्तं	(iii) मूल-सूत्र
(d)	उत्तरज्झयणं	(iv) उपांग-आगम

सही उत्तर का चयन कीजिए :
(1) (a) + (iv)
(2) (b) + (i)
(3) (c) + (ii)
(4) (d) + (iii)

www.careerindia.com

78. The name of this garden has been mentioned in the chapter of kes̀i -Gotamīya of Uttaradhyayana.

(1) Guṇaśīla (2) Tinduka (3) S̀ālibhadra (4) Durgilā

79. The Uttarādhyayna Sūtra has this number of chapters :

(1) 36 (2) 38 (3) 40 (4) 42

80. Sattacchaāṇam gandho laggai hiaé .... !''

this portion of verse the 'Sattacchaāṇam' term reffered to :

(1) Seven types of shadow

(2) Touching seven leaves

(3) Tree with the bunch of seven leaves

(4) Leaves with hole

81. The inherent meaning of the word 'samaṇa' as mentioned in the pravacanasāra is :

(1) Anaṃtavīrio (2) Sama-suha-dukkho

(3) dhammassa kattāro (4) ṇeyaṃ loyāloyaṃ

82. The name of vidūṣaka of Karpūramañjarī is :

(1) Maitreya (2) Caṇḍapāla (3) Bhairavānanda (4) Kapiñjala

83. Total number of mātrās are found in ''Gāhā'' chanda :

(1) 41 (2) 37 (3) 35 (4) 57

84. Identify the **correct** pair :

(1) Jo jāṇadi so ṇāṇam - Śivārya

(2) Tamhā Savve vi ṇayā micchādiṭṭhī - Kundakunda

(3) Tikkāle cadupāṇā - Siddhasena

(4) Dhammeṃ viṇu ṇa atthu Sāhijjai - Kavi Puṣpadanta

85. As reffered in the Uttarādhyayanasūtra, kes̀ī Kumar was the :

(1) Deva (2) Tīrthaṅkara (3) S̀ramaṇa (4) Sarvajña

86. The number of sub chapters (Uddes̀aka 's) of ''Lokavicaya'' chapters of Ācārāṅga is :

(1) 6 (2) 7 (3) 9 (4) 10

www.careerindia.com

78. उत्तराध्ययन के केशि-गौतमीय अध्ययन में इस उद्यान का उल्लेख है :
(1) गुणशील (2) तिन्दुक (3) शालिभद्र (4) दुर्गिला

79. उत्तराध्ययन सूत्र में अध्ययन है :
(1) 36 (2) 38 (3) 40 (4) 42

80. ''सत्तच्छआणं गन्धो लग्गइ हिअए ..... !''
गाथांश में 'सत्तछआणं' पद से अभिप्रेत है :
(1) सात प्रकार की छाया
(2) सात पत्तों को स्पर्श करना
(3) सात पत्तों के गुच्छे वाला वृक्ष
(4) छिद्र सहित पत्ते

81. प्रवचनसार में समण शब्द का अर्थ इसमें निहित है :
(1) अणंतवरवीरिओ (2) समसुहदुक्खो
(3) धम्मस्स कत्तारो (4) णेयं लोयालोयं

82. कर्पूरमञ्जरी में विदूषक का नाम यह है :
(1) मैत्रेय (2) चण्डपाल (3) भैरवानन्द (4) कपिञ्जल

83. ''गाहा'' छन्द में कुल मिलाकर इतनी मात्राएँ होती हैं :
(1) 41 (2) 37 (3) 35 (4) 57

84. **सही** युग्म पहचानिये :
(1) जो जाणदि सो णाणं - शिवार्य
(2) तम्हा सव्वे वि णया मिच्छादिट्ठी - कुन्दकुन्द
(3) तिक्काले चदुपाणा - सिद्धसेन
(4) धम्में विणु ण अत्थु साहिज्जइ - कवि पुष्पदन्त

85. उत्तराध्ययनसूत्र में उल्लिखित केशी कुमार थे :
(1) देव (2) तीर्थंकर (3) श्रमण (4) सर्वज्ञ

86. आचारांग के लोकविचय अध्ययन के उद्देशकों की संख्या है :
(1) 6 (2) 7 (3) 9 (4) 10

www.careerindia.com

87. ''Aṇu-gurudeha-Pamāṇo'' in this term, according to Dravya Saṅgraha refford to the feature of this substance :

(1) Kāla Dravya (2) Dharma Dravya (3) Jīva Dravya (4) Ākāśa Dravya

88. The subject matter of Jñānādhikāra of Pravacansāra is :

(1) Mahāvrata (2) Dravya-Guṇa Vivecana
(3) Ātma - Jñāna Swarūpa (4) Karma Siddhānta

89. Ācārya Haribhadra Sūri belongs to this period :

(1) Fifth Century C.E. (2) Seventh Century C.E.
(3) Eighth Century C.E. (4) Eleventh Century C.E.

90. This pair is **not** correct :

(1) Vasudevahiṇḍī - Saṅghadāsa Dharmadāsagaṇi
(2) Kumāra vālapaḍiboha - Somaprabha Sūri
(3) Jinadattākhyana - Jinaharṣa Sūri
(4) Ākkhāṇayamaṇikosa - Nemicandra Sūri

91. The number of works in Apabhraṃśa of Mahākavi puṣpadanta is :

(1) Two (2) Three (3) Five (4) Six

92. ''Aha paḍivaṇṇavirohe rāhavavammahasareṇa māṇabbhahie''. This portion of verse occurs in this work :

(1) Kuvalayamālākahā (2) Setubandha
(3) Gauḍavaho (4) Paumacariaṃ

93. This statement is **not** true :

(1) Setubandha is an epic
(2) Setubandha has been written in Mahārāṣṭri Prakrit
(3) The story of setubandha is related to churning of the ocean
(4) Setubandha has been written by Praversena.

94. Simili of a person without Puruṣārtha is given in Kuvalayamālākahā as :

(1) Lotus (2) Campaka flower (3) Rose (4) Sugarcane flower

www.careerindia.com

87. ''अणु-गुरुदेह-पमाणो'' पद में द्रव्यसंग्रह के अनुसार इस द्रव्य का लक्षण है :

(1) काल द्रव्य (2) धर्म द्रव्य (3) जीव द्रव्य (4) आकाश द्रव्य

88. प्रवचनसार के ज्ञानाधिकार का वर्ण्य-विषय है :

(1) महाव्रत (2) द्रव्यगुण विवेचन

(3) आत्मा-ज्ञान स्वरूप (4) कर्म सिद्धान्त

89. आचार्य हरिभद्र सूरि इस शताब्दी के रचनाकार हैं :

(1) पाँचवीं ईस्वी शताब्दी (2) सातवीं ईस्वी शताब्दी

(3) आठवीं ईस्वी शताब्दी (4) ग्यारहवीं ईस्वी शताब्दी

90. यह युग्म सही **नहीं** है :

(1) वसुदेवहिण्डी - संघदास धर्मदासगणि

(2) कुमारवालपडिबोह - सोमप्रभ सूरि

(3) जिनदत्ताख्यान - जिनहर्ष सूरि

(4) अक्खाणयमणिकोस - नेमिचन्द्र सूरि

91. महाकवि पुष्पदन्त की अपभ्रंश रचनाएँ हैं :

(1) दो (2) तीन (3) पाँच (4) छः

92. ''अह पडिवण्णविरोहे राहववम्महसरेण माणब्भहिए।'' यह पद्यांश इस ग्रन्थ में है :

(1) कुवलयमालाकहा (2) सेतुबन्ध

(3) गउडवहो (4) पउमचरियं

93. यह कथन सत्य **नहीं** है :

(1) सेतुबन्ध एक महाकाव्य है।

(2) सेतुबन्ध की भाषा महाराष्ट्री प्राकृत है।

(3) सेतुबन्ध की कथा समुद्र-मन्थन से सम्बन्धित है।

(4) सेतुबन्ध प्रवरसेन की रचना है।

94. कुवलयमालाकहा में पुरुषार्थ से रहित व्यक्ति की इस से उपमा दी गई है :

(1) कमल पुष्प (2) चम्पा पुष्प (3) गुलाब पुष्प (4) ईख पुष्प

www.careerindia.com

95. ''Ghorāsamaṁ Caittāṇaṁ'' in this term the meaning of Ghorāsamaṁ is :
(1) Asceticism (2) Jain Temple (3) House-hold life (4) Sthānaka

96. A.N. Upadhye is the editor of this text :
(1) Pravacanasāra (2) Vasudevahiṇḍī
(3) Jayadhavalā Tīkā (4) Saṭkhaṇḍāgama

97. This is **not** included into the Mūlasūtra :
(1) Uttarādhyayana (2) Daśavaikālika (3) Ācāradaśā (4) Āvaśyaka

98. ''Ciccā abhinikkhanto, egantamahiṭṭhio bhayavaṃ'' from the above portion of the verse the meaning of 'bhayavaṃ' is :
(1) Sudharmā (2) Gautama
(3) Nami Rajarṣi (4) Tīrthaṅkara Neminātha

99. He is an established author as a commentator and narrator :
(1) Jinabhadra Gaṇi (2) Jinadāsagaṇi Mahattara
(3) Sanghadāsa Gaṇi (4) Uddyotana Sūri

100. This is the work of Mahākavi Puṣpadanta :
(1) Sanatkumāracariu (2) Bhavisayattakahā
(3) Vilāsavaīkahā (4) Jasaharacariu

- o O o -

www.careerindia.com

95. ''घोरासमं चइत्ताणं'' पद में घोरासमं का अर्थ है :
(1) संन्यास (2) जैन मंदिर (3) गृहस्थाश्रम (4) स्थानक

96. आ.ने. उपाध्ये इस ग्रन्थ के सम्पादक हैं :
(1) प्रवचनसार (2) वसुदेवहिण्डी
(3) जयधवला टीका (4) षट्खण्डागम

97. यह मूलसूत्र में परिगणित **नहीं** है :
(1) उत्तराध्ययन (2) दशवैकालिक (3) आचारदशा (4) आवश्यक

98. ''चिच्चा अभिनिक्खन्तो, एगन्तमहिट्ठिओ भयवं'' उपर्युक्त गाथांश में 'भयवं' पद से यह अर्थ अभिप्रेत है :
(1) सुधर्मा (2) गौतम
(3) नमि राजर्षि (4) तीर्थंकर नेमिनाथ

99. भाष्यकार एवं कथाकार के रूप में मान्य रचनाकार हैं :
(1) जिनभद्र गणि (2) जिनदासगणि महत्तर
(3) संघदास गणि (4) उद्योतन सूरि

100. महाकवि पुष्पदन्त की रचना यह है :
(1) सनत्कुमारचरिउ (2) भविसयत्तकहा
(3) विलासवईकहा (4) जसहरचरिउ

- o O o -

www.careerindia.com

Space For Rough Work

www.careerindia.com